वार्तालाप–450, निवाड़ी (एम.पी), दिनांक–24.11.07
Disc.CD No.450, dated 24.11.07 at Nivadi, (Madhya Pradesh)

समय – 5.20–6.50
जिज्ञासू – बाबा, सृष्टि चक्र में जैन धर्म का कोई उल्लेख नहीं है?
बाबा – जैन का अर्थ क्या है? जीत। 'जीत' और 'न'। जो किसी से जीता ना जा सके, उसका नाम हुआ जीन। क्या? जीन माने जो प्युरिटी में पक्का हो जाता है उसे दुनियां में कोई जीत नहीं सकता। जैसे गुरू वशिष्ठ। विश्वामित्र में और गुरू वशिष्ठ में झगड़ा हुआ। विश्वामित्र क्षत्रिय थे और वशिष्ठजी ब्राह्मण थे, उनमें पवित्रता की पावर थी। विश्वामित्र ने अपने सारे शस्त्र उनके ऊपर छोड़ दिये, प्रहार कर दिये। उनका कुछ भी बाल बाका नहीं हुआ, वो अपना पवित्रता का दंड आगे कर देते थे। एक ही दंड से उनके सारे शस्त्र–अस्त्र काट दिये। तो पवित्रता, प्युरिटी की पावर दुनियाँ के बड़े ते बड़े काम करके दिखाती हैं। क्या? पवित्रता से ही दुनियाँ के सारे काम होते हैं। ये दुनियाँ नहीं जानती। पवित्रता बहुत बड़ी पावर है। देवतायें जो ढ़ाई हजार साल सुखी रहते है तो कौन सी पावर से सुखी रहते हैं? प्युरिटी की पावर से सुखी रहते हैं। जब इम्प्योर हो जाते तो दुःखी हो जाते।

Time: 5.20-6.50
Student: Baba, (why is) Jainism not mentioned in the world cycle *(shrishti chakra)*?
Baba: What does *Jain* mean? *Jeet* (victory). *'Jeet'* and *'na'*. The one who cannot be won by anyone, his name is *Jinn*. What? *Jinn* means, the one who becomes strong in purity. He cannot be defeated by anyone in the world. For example, *Guru Vashishtha*. A fight took place between *Vishwamitra* and Guru *Vashishtha*. *Vishwamitra* was a *Kshatriya* (belonging to the warrior clan) and *Vashishthji* was a Brahmin; he *(Vashishthaji)* had the power of purity. *Vishwamitra* used all his weapons against him, attacked him. He could not cause any harm to him. He (i.e. *Vashishtha*) used to put forward his stick (*dand*) of purity. He cut all his *(Vishwamitra)* weapons and arms with a single stick. So, the power of purity performs the greatest tasks of the world. What? All the tasks of the world are performed only through purity. The world does not know this. Purity is a very big power. The deities who live happily for 2500 years..; so, they remain happy with the help of which power? They remain happy with the power of purity. When they become impure, they become sorrowful.

समय – 31.05–32.22
बाबा – एक भाई ने अभी प्रश्न किया था जैन के बारे में, क्या? अपने झाड़ के चित्र में जैन धर्म का अलग से वर्णन क्यों नहीं है? सब धर्मों का वाक्या आया हुआ है। जैन धर्म का कोई वाक्या नहीं है; इसलिए वाक्या नहीं है कि जो देवी–देवता सनातन धर्म है वही वास्तव में जैन धर्म हैं। जीत माने जीतना, जो इंद्रियो को जीतते है उनसे ही, उनको ही कहा जाता है जैन धर्म के वासी। जैन धर्म फॉलो करनेवाले। जीत माने जीतना। वह दो तरह के होते हैं। एक दिगम्बर, एक श्वेतम्बर। श्वेतम्बर माना जिन्होंने कपड़े पहने हैं। क्या? वो नीचे मंदिर दिखाये जाते हैं। जैसे दिलवाड़ा मन्दिर (में) नीचे बना हुआ हैं और एक है दिगम्बर। उनके ऊपर मन्दिर बनाये जाते हैं। वह नंगे दिखाये जाते हैं। नंगे का मतलब है हमारा शरीर ही वस्त्र हैं।
जिज्ञासु – कम्पिल में भी बाबा, दिगम्बर मंदिर .....
बाबा – दिगम्बर मन्दिर ऊपर है और श्वेतम्बर मन्दिर नीचे है माना ब्रह्मा और ब्रह्मा के फॉलोअर्स की यादगार सफेद कपड़ों की बनी हुई है नीचे। वह नीची स्टेजवाले हैं। बेसिक नॉलेज वाले हैं और वह (दिगम्बर) है ऊँची स्टेज वाले।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 31.05-32.22
Baba: A brother had just now raised a question about Jains. What? Why is there no mention about Jainism separately in our picture of the *(Kalpa)* tree? There is a mention of all the religions. There is no mention of Jainism. There is no mention about it only because actually the Ancient Deity religion itself is Jainism. *Jeet* means to win; those who gain victory over the organs, they themselves are called the residents of Jainism, the followers of Jainism. *Jeet* means to win. They are of two kinds. One are *Digambars* and the other are *Shwetambars*. *Shwetambar* means those who have worn (white) clothes. What? Their temples are shown at a lower level. For example, in the *Dilwara* temple it is located at a lower level. And one is *Digambar*. Their temples are built at a higher place. They are shown to be naked. Naked means that our body itself is a cloth.
Student: Baba, the *Digambar* temple is in Kampil as well……..
Baba: The *Digambar* temple is at a height and the *Shwetambar* temple is situated below, i.e. the memorial of the white clothes of Brahma and Brahma's followers is built below. They have a lower stage. They have basic knowledge and they *(Digambars)* have a high stage.

समय – 38.40–40.17
जिज्ञासू – बाबा, जैसे एड़वांस में जो हैं, जैसे कैसेट कोई नया, जैसे अभी प्रश्न आया कि विकारी को मुरली नहीं सुनाना है। तो बाहर की जैसे एड़वांस पार्टी में कैसेट और मुरली निकलती है, तो उनको बाहर के लोग अगर सुन लेते है दो शब्द भी सुन लेते हैं तो उनको निश्चय पक्का हो जाता है और वो आकरके इस ज्ञान को उठाते हैं और भट्ठी के लिये तैयार होते है। तो जैसे ये प्रश्न आया कि विकारियों को नहीं सुनाना है, लेकिन फिर एक चीज और आती है कि भेडियों के साथ भेड़िया बन करके उसको निकालना है। तो कैसे? अभी बीजरूपी आत्मायें भी तो अभी बाहर की दुनिया में पड़ी हुई है ना बाबा।
बाबा– ठीक है।
जिज्ञासू – तो उनको कैसे? वो तो विकारी है ना बाबा।
बाबा– विकारी है तो उनको कोर्स नहीं किया जा सकता? कोर्स देकर के उनके अंदर फोर्स नहीं भरा जा सकता?
जिज्ञासु – नहीं पहले तेा मुरली सुनकर निश्चय होता है तभी तो कोर्स कराते है ना।
बाबा – मुरली सीधा नहीं सुनाना चाहिए।
Time: 38.40-40.17
Student: Baba, for example, in the (path of) advance (knowledge) (can we play) cassettes to a new person; for example, just now a question was raised that *Murli* should not be narrated to a vicious person. So, if outside people listen to the cassettes and *Murlis* of the Advance Party , if they listen to even two words (of Baba), they develop firm faith and if they come and obtain this knowledge and become willing to attend *bhatti;* so, just as a question was raised that (the *Murli*) should not be narrated to vicious persons, but another thing emerges that we have to become a fox among foxes and bring them out (in the knowledge). So, how can we do that? Baba, seed-form souls are still lying in the outside world now, are they not?
Baba: It is correct.
Student: So, how (can we bring them out)? Baba, they are vicious, are they not?
Baba: If they are vicious, can't they be given the course? Can't they be given the course and filled with force?
Student: No, first they develop faith by listening to the *murli* and then they are given the course, isn't it?
Baba: *Murli* should not be narrated directly.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासू – तो कैसेट लेके वह सुन लेते हैं ना कभी–कभी।
बाबा :– सुन लेते हैं बाय चान्स वह अलग, पूर्वजन्म में ब्रह्माकुमार रहे होंगे इसलिए पकड़ लेते हैं। वह बात एक अलग हो गयी।
जिज्ञासू – बाबा, अभी बाहर की दुनियाँ में तो बहुत सी बीजरूप आत्मायें पड़ी होंगी ना?
बाबा – हां, पड़ी होंगी; लेकिन जो भी बीजरूप है वह पिछले जन्म में बी. के. रहे होंगे तभी तो बीजरूप होगी। नहीं तो अगर आदि में बीज नहीं है तो बीज कहां हुआ? यज्ञ के आदि में जो नहीं थे, ज्ञान में ही नहीं थे वह बीज कैसे हो गये?
जिज्ञासू – कही सीडी में बाबा को देख के ही प्रभावित होते है तो वो देखते ही ज्ञान को पूरा समझते है।.....
बाबा – हां, पूर्वजन्म के संस्कार जिनके होंगे वही तो प्रभावित होंगे या सब प्रभावित हो जायेंगे?

Student: But, they take the cassette and listen sometimes.
Baba: If they listen by chance, then that is a different case; they might have been Brahmakumars in the past birth; that is why they grasp; that is a different issue.
Student: Baba, now, there might still be many seed-form souls in the outside world, mightn't they?
Baba: Yes, there must be; but they will be seed-form only if they would have been BKs in the past birth; otherwise, if they were not seeds in the beginning, then how can they be seeds? How can those, who were not present in the beginning of the *yagya*, those who were not in knowledge at all, become seeds?
Student: Sometimes, they become influenced just by seeing Baba in CD (i.e. on TV), so they understand the knowledge as soon as they see.
Baba: Yes, will only those who have *sanskars* of the past birth be influenced or will everyone be influenced?

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info